यीशु कहे मार्ग से पतरस और दूसरो ने चेले बनाये।

जो बच्चो को सिखाते हैं वे पढ़े व अध्ययन करे डी 3 ब

प्रार्थना : "हे हमारे पिता जो र्स्वग में है, मेरी और उन सबकी सहायता करें जिनको मैं अपने प्रिय परमेश्वर और उद्वारकर्त्ता यीशु मसीह के चेले बनाता हूँ। हमारी सहायता करें कि हम परमेश्वर की आज्ञाओं को माने और वह चेले बनाये जो प्यार से आपके आज्ञाओं को माने उन सभी पृथ्वी के अधिकारियों द्वारा बनाये गये नियमों के सामने उसी पिता परमेश्वर के नाम से माँगते हैं, आमीन्।"

1. पतरस ने और अन्य प्रेरितो ने किस प्रकार नये विश्वासियों को निडर बनाया, खोज करें।

- पेन्तेकोस्ट के दिन सभी यहूदियों ने जो रोमी राज्य के थे येरूशलम में पतरस को सुना। उनमें से बहुत से तो बैरी बन गये, परन्तु पतरस ने उनसे कहा: "इस्राएल के पुरूषों... यीशु नासरी एक मनुष्य जो परमेश्वर के द्वारा अद्‌भुत रीति से आप लोगों के बीच आया... और आप लोगों ने, बुरे लोगों के साथ मिलकर उसको क्रूस की मृत्यु दी...लेकिन परमेश्वर ने उसे मुर्दो में से जीवित किया... परमेश्वर ने इसी यीशु को, जिसको आप लोगों ने त्रूस पर चढ़ाया था, प्रभु और यीशु भी" प्रेरितो के कार्य 2:22-36.

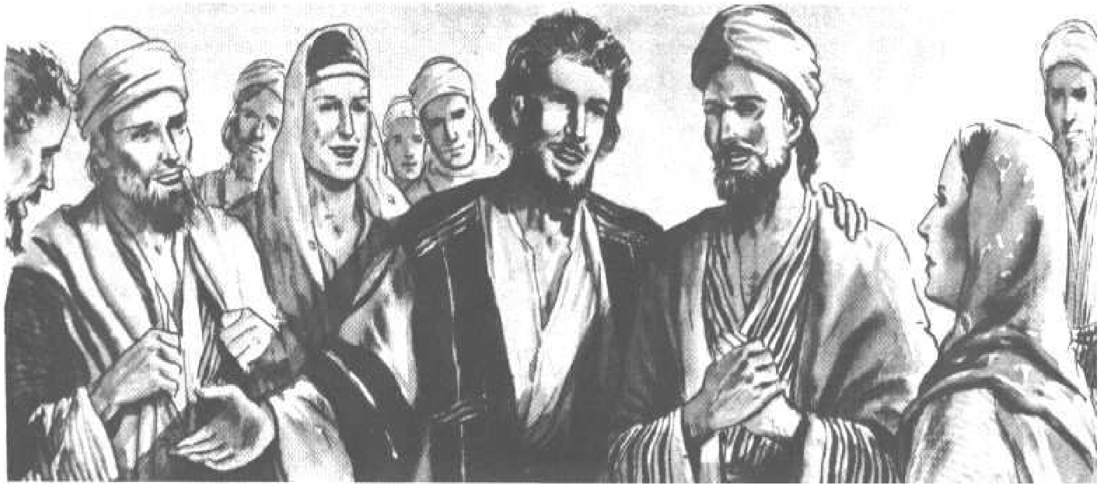

- 3000 यहूदियो ने उस दिन पश्चाताप किया बपतिस्मा लिया और प्रथम मसीही कलीसिया में मिल गये। प्रेरितो के काम 2:38-41।
- आश्चर्य की बात है कि प्रेरितो के काम अध्याय 2 से पहले तथा अंत तक, हज़ारो नये विश्वासी यीशु की आज्ञायें मानने लगे। इतनी जल्दी यह कैसे हो गया? आईये खोज करे कि पतरस और उसके दूसरे साथियो ने क्या किया, जिसे वे भी वैसा ही कर सकें।
- सात सप्ताह पेन्तेकुस्त से पहले यीशु मरे हुओ में से जी उठा अपने चेलों को 40 दिन तक दिखता रहा और अपना अन्तिम निर्देश दिया। पेन्तेकुस्त से 10 दिन पहले यीशु चेलों को आकाश में बादलों पर जाते हुये दिखाई दिये।
- यीशु ने बहुत सी आज्ञायें दी। उन आज्ञाओं को हम सात "बुनियादी" भागो में बाँट सकते हैं। जिसमें पहले 3,000 नये विश्वासीयों ने एक दम बुनियादी कार्य आरम्भ किया, प्रेरितो के काम अध्याय 2 के अनुसार। केवल एक ही आज्ञा है जिसकी चर्चा नहीं की जाती उसका नाम प्यार है, जिसे वे अपनी संगति से साथ बाँटने से दिखा सकते हैं।
- पतरस की तरह अच्छे चेले बनाने की शिक्षा जो यीशु मसीह की आज्ञाओं में है आज्ञाकारिता है। पूर्ण आज्ञाकारिता झुण्ड का मज़बूत बनाती है, नटूटने वाली बेड़ियो की तरह।

- निम्नलिखित सात आज्ञाओ को देखे और आपके शिष्य वृन्द को जिसकी ज़रूरत हो मानने की उसे ले लें

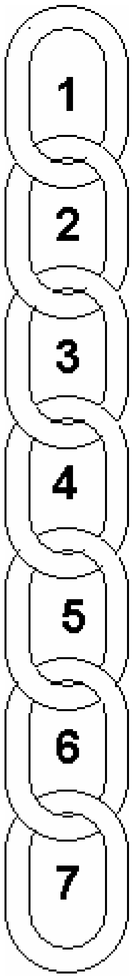

1. **पश्चाताप् करे, विश्वास करे और पवित्र आत्मा को पायें।**
   धर्म परिवर्तन, पुनर्जीवन, मरकुस 1:15; यहून्ना 3:16; यहून्ना 20:22
2. **बपतिस्मा लो।**
   बपतिस्मा द्वारा आरम्भ करें बदलाव का जीवन, प्रेरितो के काम 2:38 मत्ती 28:18-20
3. **प्रेम**
   परमेश्वर से प्रेम करो, पड़ोसी से, विश्वासियो से, ज़रूरत मन्द और दुशमनो से (क्षमा करो), मत्ती 22:36-40 यहून्ना 13:34-35 लूका 10:25-37; मत्ती 5:43-48
4. **रोटी तोड़ना**
   सह-भांगिता (प्रभु की मेज़) उन लोगों से सम्बन्धित जो सब आराधना करते हैं; मत्ती 26:26-28; यहून्ना 4:24
5. **प्रार्थना**
   यीशु का नाम लेकर प्रार्थना करें, अकेले में और परिवार के साथ भक्ति करना मध्यास्था करें और आत्मिक युद्ध की तैयारी करें। यहून्ना 16:24
6. **देना**
   अपने खजाने का प्रबन्ध, समय और योग्यतॉए, लूका 6:38; मत्ती 6:1-4
7. **चेले बनाना** (यीशु के लिए गवाही बने उसकी शिष्य वृन्द की भेड़ बने, वचन को माने नेताओ को प्रशिक्षण दें, लोगो को सुसमाचार के लिए भेजे) मत्ती 28:18-20

यीशु के सबसे बड़े अधिकार को जो हम मत्ती 28:18-20 में पाते हैं स्मरण करें। वहाँ हम देखते हैं:

- किस बड़े अधिकार से यीशु ने आज्ञा दी कि उसके पीछे चलने वालो को चेला बनाया जाये?
- पुनरूत्थान द्वारा मृत्यु पर विजय पाये मसीह की आज्ञा है कि र्स्वग और पृथ्वी का सारा अधिकार किसी बड़े राजा के अधिकार से भी ज्यादा, किसी बड़े राष्ट्रपति या सेना के बड़े अधिकार से बड़ा अधिकार तुम्हारे लोगों के पास है। हमें किन्हें चेले बनाने की आज्ञा दी है?
- बपतिस्मा के अतिरिक्त यीशु ने किस प्रकार सभी लोगों को चेला बनाने के लिए कहा है?
- कौन से तसल्ली देने वाले वचन यीशु ने कहे हैं, जिनसे बहुत बड़े कार्य को जो शिष्यो को दिया है उसकी आज्ञा द्वारा आसान हो जाता है?
- प्रेरितो के काम 1:14 में पाते हैं कि यीशु के पीछे चलने वाले लोग क्या कर रहे थे जब परमेश्वर ने पिन्तेकुस्त के दिन अपना शाक्तिशाली कार्य उन्हें दिखाया?
- प्रेरितो के काम 2:1-24 में पाते हैं पवित्र आत्मा ने प्रेरितो को क्या करने को कहा, जिसने यहूदियों को मज़बूर किया कि पतरस के भाषण को सुने?

2. सप्ताह के कार्यक्रमो का अपने सहकर्मियों के साथ योजना बनायें।

- वृन्दे को याद करवाने के लिए, सक्षम व्यक्ति से कहें यीशु की मुख्य आज्ञा को लेकर कोई गीत लिखे।

- किसी भी विश्वासी के घर जाये तथा निर्देश दें जो अभी पूर्ण रीति से यीशु की प्रमुख आज्ञाओ को नहीं मानता।
- उन्हें समझायें कि हमारी सेवाकार्य की बुनियाद यही आज्ञायें हैं।
- उन्हें समझायें कि चाहें विश्वासी जन रात व दिन अपने होठों से परमेश्वर की स्तुति करता रहे, किन्तु अगर वे यीशु की आज्ञा जो प्रेम के विषय दी गई है नहीं मानते, तो परमेश्वर उसकी स्तुति ग्रहण नहीं करता। मत्ती 14:1-8

3. अपने सहकर्मियों के साथ मिलकर आनेवाले आराधना समय की योजना बनायें।

किसी कार्यक्रम को चुने जो वहाँ की प्रथाओं तथा अवसर के अनुसार हो और उसे प्रस्तुत करें।

पहली कलीसिया के बारे में विषय कहानी बतायें, और पतरस व अन्य ने जो शिष्य बनाते थे, नये विश्वासियों को आरम्भ से ही यीशु की आज्ञाओं को मानना सीखाया।

- यीशु मसीह के अंतिम निंदेश जो आवश्यक है और मत्ती 28:18-20 में दिया गया है समझायें।
- ऊपर बताई गये सातों मुख्य आज्ञायें यीशु ने दी है विश्वासियों को याद करवाने में सहायता करें।
- समझायें कि यही आज्ञायें हमारी सब सेवाकार्य व शिक्षाओ की नींव है।
- बच्चों से कहें कि बुद्धिमान मनुष्य की जिसने अपना घर यीशु मसीह चट्टान पर बनाया, नाटक के रूप में प्रस्तुत करें।
- समझायें के बुद्धिमान मनुष्य ने दोनों कार्य किये, यीशु की आज्ञाओ को सुना और पालन किया।
- व्यस्क लोगों के लिए बच्चों ने जो प्रश्न तैयार किये हैं, पूछें?

पवित्र आत्मा से कहें कि उसकी सहायता से जैसे यीशु ने कहा है चेले बनायें।

प्रेरितो के कार्य 2:46 को पढ़कर प्रभु भोज को आरम्भ करें यह समझायें कि यीशु मसीह की प्रमुख आज्ञा यही है। प्रथम विश्वासी यीशु की आज्ञा मानते थे और रोटी तोड़ने का कार्य अपने घरों में करते थे।

कार्यकर्त्ताओं से रिर्पोट देने के लिये कहें जिनको उन्होंने यीशु की आज्ञायें मानना सिखाया है।

उन कार्यक्रमो की घोषणा करें जो आप इस सप्ताह करना चाहते हैं।

दो या तीन लोगों को मिलाकर समूह बनायें जो प्रार्थना करने योजनायें बनाने तथा एक दूसरे को प्रोत्साहित करने में सक्षम हों।

यहून्ना 14:15 याद करें "अगर तुम मुझे प्रेम करते हो, मेरी आज्ञाओं को मानो"।